



॥ ओऽम् ॥

# युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—<http://www.facebook.com/groups/aryayouth/>

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

## दानदाताओं से अपील

dःnh; vk; l ; pd i fj "kn~ ds  
dk; l o xfrfot/k; ka es l g; kx  
dus gsg [kkrk l a; k  
10205148690 LVV cd  
vkQ bf. M; k] ?kUVk?kj]  
fnYh&110007] vkbz , Q-  
, I -dkM - SBIN0001280 ij  
I h/ks Hkst dj ges Oku u-  
9868051444 ij , I - e- , I  
dj nA ; k 9958889970 ij  
Paytm dj nA & vfuy vk; l

वर्ष-37 अंक-24 ज्येष्ठ-2078 दयानन्दाब्द 198 16 मई से 31 मई 2021 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 16.05.2021, E-mail : [yuva.udghosh1982@gmail.com](mailto:yuva.udghosh1982@gmail.com) [aryayouthgroup@yahoo-groups.com](mailto:aryayouthgroup@yahoo-groups.com) Website : [www.aryayuvakparishad.com](http://www.aryayuvakparishad.com)

## केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 226वां वेबिनार सम्पन्न

### वैदिक विद्वान् स्वामी दीक्षानन्द जी का 18वां स्मृति दिवस सम्पन्न'

यज्ञ व वेदों के प्रचारक थे स्वामी दीक्षानन्द –डॉ. अशोक कु. चौहान यज्ञीय परम्परा को स्वामी जी ने आगे बढ़ाया –आर पी भट्टनागर स्वामी दीक्षानन्द जी की वाणी व सरलता मन को छू जाती थी –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य शनिवार 15 मई 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में वेदों के प्रकांड विद्वान् स्वामी दीक्षानन्द जी सरस्वती का 18वाँ स्मृति दिवस ऑनलाइन जूम पर मनाया गया। यह कैरोना काल में परिषद का 219 वा वेबिनार था। मुख्य अतिथि एमिटी शिक्षण संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार चौहान ने कहा कि स्वामी दीक्षानन्द जी धीर, गम्भीर, सौम्य व वैदिक सिद्धान्तों के मनीषी थे, उनके 18 वें स्मृति दिवस पर उन्हें याद करने का अर्थ है कि हम उनके बताये रास्ते का अनुसरण करें। आज वेदों के रास्ते पर चलकर ही विश्व में शान्ति स्थापित हो सकती है। स्वामी जी यज्ञ व वेदों का महान प्रसारक थे। उन्होंने कैरोना काल में पीड़ितों के स्वास्थ्य लाभ की प्रभु से प्रार्थना की। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि स्वामी जी की वाणी व सरलता सबको अपना बना लेती थी। उन्होंने आर्य जगत में बड़े बड़े बहुकुण्डिय यज्ञों की शुरुआत स्वामी दीक्षानन्द जी ने ही कि थी। उनका सम्पूर्ण जीवन समाज व राष्ट्र को लंबे समय तक मार्ग प्रशस्त करता रहे। आर्य युवाओं को उनसे विशेष प्रेरणा लेनी चाहिए। वैदिक विद्वान् डा. जयेंद्र आचार्य (आर्य गुरुकुल नोएडा) ने कहा कि स्वामी दीक्षानन्द जी ने अपना पूरा जीवन यज्ञ, महर्षि दयानन्द व वेदों के प्रचार के लिए समर्पित कर दिया। उनका विराट सौम्य व्यक्तित्व पहली बार में ही सबको अपना बना लेता था। उनकी वाणी में ओज बरसता था। समर्पण शोध संस्थान राजेन्द्र नगर साहिबाबाद के मंत्री आर पी भट्टनागर (समारोह अध्यक्ष) ने कहा कि स्वामी जी का सान्निध्य हमें काफी समय तक मिलता रहा है, उनके निराले व्यक्तित्व से सभी प्रभावित हो जाते थे। हम उनकी स्मृति को चिरस्थाई बनाये रखेंगे। विशिष्ट अतिथि आर्य नेता आनन्द चौहान, ओम सपरा, राकेश भट्टनागर, प्रेम सचदेवा ने कहा की स्वामी दीक्षानन्द जी वेदों के अद्वितीय विद्वान् थे, उनके समझाने की शैली सरल थी जोकि सबको हृदयंगम हो जाती थी। मधुर भजन संगीता आर्या गीत, पुष्पा चुध, सुकृति माथुर, प्रवीना ठक्कर, कुसुम भंडारी, रवीन्द्र गुप्ता आदि ने प्रस्तुत किये। परिषद के राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। सर्वश्री डॉ नरेंद्र टुटेजा, डॉ आर के आर्य, उर्मिला आर्या, आनन्द प्रकाश आर्य, रमेश भट्टनागर, धर्मपाल आर्य, देवेन्द्र भगत, सौरभ गुप्ता, वीरेन्द्र आहूजा, प्रकाशवीर शास्त्री आदि उपस्थित थे।

### यज्ञ निष्ठ उद्योगपति दर्शन कुकरेजा अग्निहोत्री नहीं रहे

1947 से लाई यज्ञ अग्नि को अग्निहोत्री जी ने अक्षुण रखा –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार 17 मई 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में यज्ञनिष्ठ उद्योगपति, आर्य नेता दर्शन कुकरेजा अग्निहोत्री के निधन पर ऑनलाइन भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने बताया कि पाकिस्तान बटवारे के समय 1947 में माता शांतिदेवी व महात्मा गणेशदास अग्निहोत्री जो यज्ञ अग्नि पाकिस्तान से लाये थे उसी से उनके यहाँ प्रतिदिन यज्ञ प्रदीप्त होता रहा। उसी परंपरा को दर्शन अग्निहोत्री ने बनाये रखा। आप समर्पण शोध संस्थान साहिबाबाद, गुरुकुल एठा, तपोवन आश्रम देहरादून, वैदिक भक्ति आश्रम रोहतक, आत्म शुद्धि आश्रम बहादुर गढ़, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद व अनेकों गुरुकुलों के पोषक थे। उनकी बड़े बड़े वेदों के यज्ञ करवाने व गुरुकुलों की सेवा में बड़ी रुचि थी। उनके निधन से आर्य जगत की गहरी क्षति हुई है। हजारों साल तक नरगिस अपनी बेनूरी पर रोती है, बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदावर ऐसा। गत रात्रि 2 बजे नोएडा के कैलाश अस्पताल में 78 वर्ष की आयु में आपका कैरोना से निधन हो गया था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीन आर्य ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए आर्य समाज व गुरुकुलों की अपूर्णीय क्षति बताया। आचार्य महेन्द्र भाई, यशोवीर आर्य, दुर्गेश आर्य, धर्मपाल आर्य, ओम सपरा, देवेन्द्र भगत, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, अरुण आर्य, सौरभ गुप्ता, उर्मिला आर्या, डॉ सुषमा आर्या, संजीव मल्होत्रा, सुरेश आर्य आदि ने भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सेवा कार्यों को स्मरण किया।



### शिक्षाविद् डॉ. अमिता चौहान को मातृ शोक

एमिटी इंटरनेशनल स्कूल्स की चेयरपर्सन डॉ. अमिता चौहान जी की पूज्य माता श्रीमती लीलावती जी (सासु माँ डॉ. अशोक कुमार चौहान जी) आयु 95 वर्ष का गत दिनांक 9 मई 2021 को निधन हो गया। आपका केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 44 नोएडा में कई बार आशीर्वाद भी मिला।

पूज्य माता जी को आर्य जगत की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि–अनिल आर्य



## प्लाज्मा कब, क्यों व कैसे पर गोष्ठी सम्पन्न

**एक प्लाज्मा दो व्यक्तियों को जीवन दे सकता है—अनिल मित्रा(निदेशक, AHOY! बाइक्स)**  
**मानव जीवन सेवा के लिये बना है—राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य**

मंगलवार 11 मई 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में प्लाज्मा कब, क्यों, कैसे विषय पर ऑनलाइन जूम पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह परिषद का कॉरोना काल में 217 वा वेबिनार था। मुख्य अतिथि अनिल मित्रा (निदेशक, AHOY! बाइक्स) ने बताया कि वह लगभग 100 बार रक्तदान कर चुके हैं और दो बार प्लाज्मा भी दिया है। उन्होंने बताया कि प्लाज्मा अवश्य दान देना चाहिए इससे दो या तीन लोगों का जीवन बचता है। कोरोना के इलाज में प्लाज्मा थेरेपी के उपयोग और इससे जुड़ी भ्रांतियों के बारे में सटीक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यदि कोरोना के गंभीर रोगियों को यदि हॉस्पिटल में भर्ती होने पर इलाज के शुरू में ही यदि प्लाज्मा थेरेपी दी जाए, तो रोगी के उपचार में इसके अच्छे परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि क्योंकि मानव रक्त का अभी कोई विकल्प नहीं है, इसलिए आवश्यकता पड़ने पर उदार हृदय रखते हुए एक इंसान को ही दूसरे इंसान के काम आना पड़ेगा और ये जरूरत कभी भी किसी को भी पड़ सकती है। इसलिए, सभी को रक्तदान और प्लाज्मा—दान जैसे मानव कल्याण के कार्यों को सहयोग देना चाहिए। उन्होंने ये भी कहा कि रक्तदान या प्लाज्मा—दान करने से दानदाता को कोई नुकसान नहीं होता, बल्कि कई लाभ ही होते हैं य साथ में कई लोगों की जान भी बचती है। उन्होंने बताया कि 'ब्लड ऑन डिमांड' की अवधारणा पर रक्तदान और प्लाज्मा—दान के क्षेत्र में 'Giving is Living' नाम की संस्था राष्ट्रीय स्तर पर बहुत अच्छा कार्य कर रही है। समाजसेवी श्री जी एस कपूर ने इस स्वयंसेवी संगठन की स्थापना की थी। इस संस्था से जुड़े हजारों वालंटिर्स आवश्यकता के अनुसार सीधे हॉस्पिटल में जाकर निःस्वार्थ भाव से रक्तदान, प्लाज्मा—दान, प्लेटलेट्स दान इत्यादि करते हैं और रोगियों की जान बचाने का प्रयास करते हैं। इस संस्था का हेल्पलाइन नंबर है रु 92 6666 6666, जिस पर दानदाता वालंटिर और प्राप्तकर्ता दोनों संपर्क कर सकते हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि मानव जीवन ईश्वर ने सेवा के लिए दिया है, इंसान को इंसान के काम आना ही मानव धर्म है। वेद शास्त्र आदि भी सर्वे भवन्तु सुखिनः की बात करते हैं, आर्य समाज का छठा नियम भी संसार का उपकार करना इस समाज का मुख्य उद्देश्य है कहते हैं। मानवता सबसे बड़ा धर्म है। विदुषी श्रुति सेतिया व डॉ. रचना चावला ने भी प्लाज्मा थेरेपी पर प्रकाश डाला और लोगों की शंकाओं का समाधान किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि रक्तदान सर्वोत्तम दान है सभी को करना चाहिए। युवा गायक तिलक मित्रा, प्रवीना ठक्कर, आशा आर्या, रवीन्द्र गुप्ता, जनक अरोड़ा, संगीता आर्या, पुष्पा चुघ, चंद्र कांता आर्या, विजय लक्ष्मी, मर्दुल अग्रवाल आदि ने भजन सुनाये। आनन्द प्रकाश आर्य, सौरभ गुप्ता, पूजा मित्रा, आरथा आर्या, प्रतिभा कटारिया, उर्मिला आर्या, धर्मपाल परमार, वेदप्रकाश आर्य, ललित घोड़री आदि उपस्थित थे।



## आपका शरीर है स्वयं का डॉक्टर पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

**जीभ को संयमित करने से स्वस्थ रहेंगे –डॉ. श्रुति सेतिया**  
**आर्य युवक परिषद के वेबिनार ज्ञान वर्धक –सुदेशवीर आर्या**

सोमवार 3 मई 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'हमारा शरीर हमारा स्वयं डॉक्टर है' विषय पर ऑनलाइन आर्य गोष्ठी का आयोजन जूम पर किया गया। यह कॉरोना काल में 213 वेबिनार था। मुख्य वक्ता युवा योगाचार्य श्रुति सेतिया ने बताया कि हम सब ठीक होना चाहते हैं। ये स्वाभाविक आवश्यकता है। कोई भी पैथि से दवा लेने से केवल शरीर की समस्या को हम सोर्पेट करते हैं या प्रबंध करते हैं। लेकिन आपका शरीर स्वयं में एक दवा की व्यवस्था है, अस्पताल है पूरा। समस्या अगर जन्म लेती है तो शरीर ही समाधान देता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता हम को स्वयं सहयोग करता है। इस तंत्र की कमजोरी से इंफेक्शन तुरंत हो जाता है। सिर्फ योग ही एक ऐसा सिस्टम है जो बाहर के सोर्पेट की बात नहीं करता। योग बोलता है कि समस्या यही है तो समाधान भी यही है। योग अगर सही तरीके से शरीर में गया तो आपको किसी भी पैथि (एलोपैथ, आयुर्वेद, होमियोपैथ) की आवश्यकता नहीं होगी। समय पर सोना, जागना, समय पर खाना पीना अगर सही है तो योग आपके दुख दूर कर देगा। उन्होंने उपवास पर जोर दिया और कहा कि शरीर की छोटी मोटी बीमारी तो केवल उपवास से ठीक हो जाती है। जैसा हो भोजन वैसे बने हम। अपनी छोटी सी मांसल जीभ पर भी रोक लगानी चाहिए, इस से ही अनेकों रोग उत्पन्न होते हैं। मन को बलिष्ठ तो ओर अपने नियम से मत डिगो। जीभ को संयमित कर लिया तो उस दिन समझिए कि आप स्वस्थ होते चले जाएंगे। जितना हो आवश्यक खायें स्वस्थ बने विद्वान कहलाये। जीवन ऋषियों के जैसा बनाएं। आहार की शुद्ध वास्तविकता, नियमित व्यायाम, ब्रह्मचर्य आदि व्रतों का सेवन और स्वदेशी आयुर्वेद और प्रकृति के अनूकूल जीवन शैली अपनाएं। अध्यक्षता करते हुए आर्य नेत्री सुदेशवीर आर्या ने कहा कि आर्य युवक परिषद कॉरोना काल में भी विभिन्न विषयों पर वेबिनार आयोजित कर सराहनीय कार्य कर रही हैं। हमें खान पान पर संयम रख कर स्वस्थ रह सकते हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि हमारा शरीर हमें संकेत देता रहता है उसी की भाषा समझ कर हमें दिनचर्या का पालन करते रहना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रदेश महामंत्री प्रवीन आर्य ने यम नियमों का पालन करने का आह्वान किया। आर्य नेता यशोवीर आर्य ने भी अपनी शुभकामनाएं दी। गायिका बिंदु मदान, वेदिका आर्या, आशा आर्या, रवीन्द्र गुप्ता, सुखवर्षा सरदाना, पुष्पा चुघ, सुषमा धर, विजय लक्ष्मी, संध्या पांडेय, उर्मिला आर्या, प्रवीना ठक्कर, निर्मल विरमानी, कुसुम भंडारी आदि ने गीत सुनाये। आचार्य महेन्द्र भाई, सौरभ गुप्ता, आनन्द प्रकाश आर्य, अनिल ककड़, अरुण आर्या, संजय सपरा, कल्पना रस्तोगी आदि उपस्थित थे।



tgka ugha gksrk dHkh foJke vk; l ; pd i f j "kn gS ml dk uke

## मानसिक ऊर्जा के स्रोत पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

मानसिक ऊर्जा संघर्ष करने की शक्ति देती है –आचार्य संदीप दर्शनाचार्य  
आत्मिक शक्ति ऊर्जा का स्रोत है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

बुधवार 5 मई 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में मानसिक ऊर्जा के स्रोत विषय पर आर्य गोष्ठी का ऑनलाइन आयोजन किया गया। यह कैरोना काल में 214 वा वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य संदीप आर्य ने बताया कि व्यक्ति को शारीरिक बल के साथ साथ मानसिक बल और ऊर्जा की भी बहुत आवश्यकता होती है। बहुत से कार्य मानसिक बल से ही संपन्न होते हैं। आज के इस व्यस्ततम जीवन में व्यक्ति के सामने अनेक प्रकार के संघर्ष, विषम परिस्थितियां उत्पन्न हो गई हैं। जिनको सहन करने के लिए उसे भीतर से तैयार रहने की आवश्यकता है। योग दर्शन के आधार पर उन्होंने चित के तीन स्थितियां बताईं सात्त्विक राजसिक और तामसिक। इनमें से सबसे अच्छी सात्त्विक होती है जिसे योग के माध्यम से प्राप्त किया जाता है। मानसिक ऊर्जा के स्रोतों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि 5 स्रोतों से इसे प्राप्त किया जा सकता है। जिसमें सर्वप्रथम ईश्वर का आश्रय, दूसरा ध्यान, तीसरा संगति, चौथा परिस्थितियों का सहन करना और पांचवा शिव संकल्प— इन उपायों को अपनाने से मानसिक ऊर्जा में सतत वृद्धि होती है। जिससे जीवन की विपरीत परिस्थितियों में व्यक्ति अपने आप को सहज रखता हुआ जीवन को सुख पूर्वक जी सकता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि व्यक्ति की आत्मिक शक्ति उसके आत्म चिंतन से बनती है और आत्मिक शक्ति मानसिक ऊर्जा का स्रोत है जिससे व्यक्ति बड़े से बड़ा कार्य आसानी से कर सकता है। मुख्य अतिथि आर्य नेता अर्जुन देव दुरेजा ने कहा कि आर्य साहित्य और ग्रन्थों को पढ़ने से मानसिक व आत्मिक शक्ति मिलती है। अध्यक्षता करते हुए प्रवीन चावला ने कहा कि यज्ञ करने से शक्ति मिलती है वह कठिनाइयों का मुकाबला आसानी से कर सकता है। आर्य नेता हरिचंद स्नेही ने कहा कि आर्य वेबिनार लोगों का तनाव कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि योग

मानसिक शांति व ऊर्जा के स्रोत हैं। किसान नेता पूर्व केन्द्रीय मंत्री चौधरी अजीतसिंह के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। गायिका पुष्पा चुध, संध्या पांडेय, आशा आर्या, कुसुम भंडारी, दीप्ति सपरा, डॉ रचना चावला, प्रवीन ठक्कर, ईश्वरदेवी आदि ने भजन प्रस्तुत किये। आचार्य महेन्द्र भाई, यशोवीर आर्य, आनन्द प्रकाश आर्य, सौरभ गुप्ता, राजकुमार भंडारी, रवीन्द्र गुप्ता, उर्मिला आर्य, लक्षण पाहुजा, चंद्र कांता आर्या आदि उपस्थित थे।



## मजदूर दिवस पर श्रम को नमन

श्रमिक राष्ट्र की सुख समृद्धि का आधार –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शनिवार 1 मई 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद द्वारा मजदूर दिवस पर आयोजित गोष्ठी में सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि मजदूर किसी भी राष्ट्र की सुख समृद्धि का आधार है, वह सारे ढांचे की रीढ़ की हड्डी है हमें उनका सम्मान करना चाहिए। अब कैरोना काल ने तो श्रम और श्रमिक का महत्व और अधिक बड़ा दिया है सारे ही कहीं न कहीं किसी रूप में श्रमिक बन गए हैं कोई कपड़े तो कोई बर्तन या सफाई में जुटा है। सभी इस तरह से आत्म निर्भर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। इसी तरह वोकल फॉर लोकल का प्रधानमंत्री जी का संदेश भी चरितार्थ होता दिख रहा है। मजदूर दिवस 1 मई 1886 को अमरीका में शहीद हुए मजदूरों को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता है। परिषद के उत्तर प्रदेश प्रांतीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि मजदूर समाज की आत्मा है कैरोना काल में हमें निकट के श्रमिकों का ध्यान रखना चाहिए। आचार्य महेन्द्र भाई, यशोवीर आर्य, सौरभ गुप्ता, धर्म पाल आर्य, देवेन्द्र गुप्ता, देवेन्द्र भगत ने भी विचार रखे।



## दैनिक यज्ञ की उपयोगिता पर गोष्ठी सम्पन्न

‘यज्ञ—आज के विकट काल की समस्या का है समाधान –आचार्य विजय भूषण आर्य

वीरवार 13 मई 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद द्वारा आयोजित 218 वें वेबिनार में सम्बोधित करते हुए आचार्य विजय भूषण आर्य द्वारा दैनिक यज्ञविधि एवं शुद्ध मंत्रोच्चारण पर बहुत ही सरल सुबोध भाषा में सविस्तार जहां यज्ञ विधि की एक रूपता की आवश्यकता का महत्व बताया वहां मंत्रों में सामान्य जनों द्वारा अधिकांश की जाने वाली अशुद्धियों को दूर करने हेतु व्याकरण के नियमानुसार उन्हें शुद्ध ढंग से उच्चारण करने का सुझाव दिया। आचार्य श्री ने आह्वान किया कि कोरोना महामारी को दूर करने हेतु विशेष जड़ी बूटियों द्वारा यज्ञ करना हम सभी के लिए रामबाण ओषधि है। जैसे हम प्रतिदिन भोजन करते हैं वैसे ही यज्ञ भी प्रतिदिन करना चाहिए। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती के अनुसार प्रत्येक मनुष्य को चाहे वह हिंदू हो, मुसलमान हो, सिख, इसाई कोई भी क्यों ना हो— प्रतिदिन यज्ञ करना चाहिए और कम से कम 16 आहुती अवश्य प्रदान करनी चाहिए जिससे वातावरण को शुद्ध किया जा सके। आचार्य विजय भूषण आर्य ने बताया कि वे प्रतिदिन दोनों समय यज्ञ विशेष जड़ी बूटियों से करते हैं और लगभग 200 आहुतियों द्वारा दूषित वातावरण को शुद्ध कर अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं आचार्य जी ने दैनिक यज्ञ की विधियों को जहां इसके अर्थ को स्पष्ट किया वहां सभी मंत्रों का शुद्ध उच्चारण भी प्रस्तुत किया अंत में श्रोताओं की शंकाओं का भी सुंदर ढंग से समाधान किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि यज्ञ सर्वश्रेष्ठ कर्म है जो बिना भेदभाव के सबका कल्याण कारी है व सुख देने वाला है। आर्य नेता विजय कपूर ने अध्यक्षता की व नरेन्द्र आर्य सुमन मुख्य अतिथि रहे। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीन आर्य ने भी यज्ञ की महत्ता पर प्रकाश डाला। गायिका पुष्पा चुध, दीप्ति सपरा, मर्दुल अग्रवाल, संगीता आर्या, नरेश खन्ना, आशा आर्या, रवीन्द्र गुप्ता आदि ने भजन सुनाये। डॉ सुषमा आर्या, डॉ रचना चावला, आनन्द प्रकाश आर्य, उषा आहुजा, कमलेश हसींजा आदि उपस्थित थे।



# आर्य समाज का घर घर यज्ञ हर घर यज्ञ अभियान

स्वयं जलकर प्रकाश देने का संदेश देता है यज्ञ –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य  
यज्ञ की सुगंध वातावरण शुद्ध करेगी—डॉ. आर के आर्य

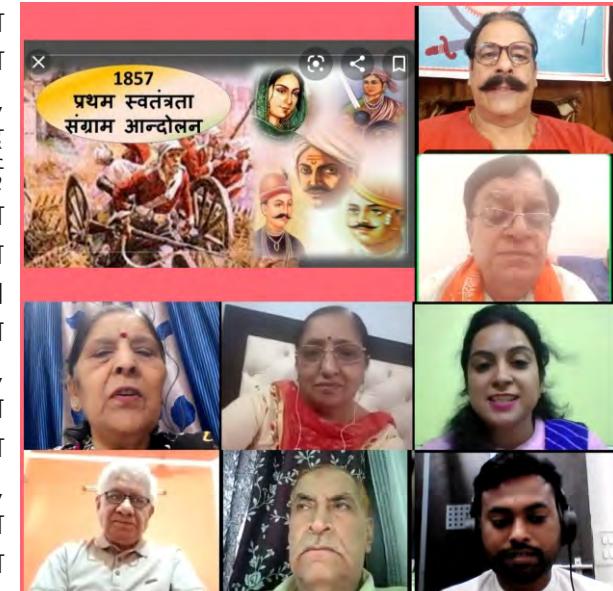
वीरवार 13 मई 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि यज्ञ स्वयं जलकर प्रकाश देने का संदेश देता है, यज्ञ परोपकार की भावना का आदर्श है। ऊपर उठ उठ अग्नि करती है हमें इशारा, जीवन में ऊपर उठना ही है उद्देश्य हमारा ये आगे बढ़ने का व सकारत्मकता का मार्ग प्रशस्त करती है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद ने सभी को आहवान किया है कि वह जाति, धर्म से ऊपर उठकर यज्ञ करें यज्ञ बिना किसी भेदभाव के वातावरण को शुद्ध व पवित्र करेगा और वॉयरस को नष्ट करेगा इसका लाभ पड़ोसी को भी मिलेगा क्योंकि वायु समानरूप से बहती है। स्वदेशी आयुर्वेद के निदेशक डा आर के आर्य ने कहा कि हम दैनिक यज्ञ करते हैं इससे पारिवारिक मेल जोल व सुख शांति भी रहती है अकेला पन दूर होता है। यज्ञ संगतिकरण का संदेशवाहक भी है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष आनन्द प्रकाश आर्य ने यज्ञ को वैज्ञानिक उपचार व थैरेपी बताया। प्रांतीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि इस भंयकर महामारी काल में बचाव का एकमात्र उपाय दैनिक हवनध्यज्ञ करना ही श्रेष्ठ है। जिसमें सभी का कल्याण निहित है। आर्य नेता प्रेम सचदेवा, अनुपम आर्य, पंकज आर्य, राहुल आर्य, के के यादव, प्रमोद चौधरी, देवेन्द्र गुप्ता, सौरभ गुप्ता, सुरेश आर्य, वीना वोहरा, देवेन्द्र भगत, संजय सपरा, सत्यपाल आर्य ने भी यज्ञ कर राष्ट्र की सुख समृद्धि व कोरोना मुक्ति की प्रार्थना की है ईश्वर इस कोरोना से सबकी रक्षा करो अब बहुत हो गया प्रभु—अब बहुत हो गया अब और सहा नहीं जाता। गायिका संगीता आर्या गीत, दीप्ति सपरा, बिंदु मदान, आशा आर्या, संतोष आर्या, कुओजसी आर्य ने भजन प्रस्तुत किये।



## 10 मई 1857 के स्वतंत्रता सेनानियों को किया नमन

1857 की क्रांति ने स्वतंत्रता की नींव डाली—राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार 10 मई 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 10 मई 1857 के प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानियों को स्मरण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह करोना काल में परिषद का 216 वा वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि बहादुर शाह जफर, महारानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे, नाना जी, झलकारीबाई आदि ने 1857 की क्रांति का बिगुल बजाया जो बाद में देश व्यापी आंदोलन बन गया। मेरठ की बैरकपुर छावनी से मंगल पांडेय ने जो अलख सैनिकों में जगाई थी उसने विशाल रूप ले लिया था। महर्षि दयानंद सरस्वती ने भी रियासतों में घूम घूम कर क्रांति की प्रेरणा प्रदान की। उन्होंने सत्यार्थ प्रकाश में लिखा की कोई कितना भी करे पर स्वदेशी राज्य सर्वोत्तम है। आज हमें उन महान क्रांतिकारियों को याद करते हुए देश की एकता अखंडता की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। 1857 में अपने बलिदानों से आजादी की जो नीव डाली गई तब जाकर देश 1947 में आजाद हुआ। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि छुछ ईंटे अपना वजूद नीव में खोती है, तब जाकर कोई इमारत खड़ी होती है, हमें क्रांतिकारियों के बलिदान को सदैव याद रखना चाहिए। मुख्य अतिथि आर्य नेता ललित चौधरी व अध्यक्ष प्रेम लता गोयल ने भी अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करें। गायिका संगीता आर्या गीत, निताशा कुमार, नरेन्द्र आर्य सुमन, नरेश खन्ना, दीप्ति सपरा, सुदेश आर्या, डॉ विपिन खेड़ा, के एल मल्होत्रा, रवीन्द्र गुप्ता, वीना आर्या, यशोवीर आर्य, बिंदु मदान, विजय कपूर, करुणा चांदना आदि ने गीत सुनाये। आचार्य महेन्द्र भाई, आनन्द प्रकाश आर्य, टी पी तुली, विक्रमादित्य महाजन, डॉ रचना चावला, सौरभ गुप्ता, राजेश मेंहदीरता, वीरेन्द्र आहूजा, अंजू बजाज, देवेन्द्र भगत, धर्मपाल आर्य आदि उपस्थित थे।



## नाश्ते का महत्व पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

नाश्ता शरीर को शक्ति देने का कार्य करता है—डॉ. करुणा चांदना

सात्विक आहार जीवन को उत्तम बनाते हैं—राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शुक्रवार 7 मई 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में नाश्ते का महत्व विषय पर ऑनलाइन आर्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल में 215 वा वेबिनार था। डॉ. करुणा चांदना ने कहा कि रात भर के ब्रेक के बाद नाश्ता शरीर को शक्ति देने का काम करता है। हमें नाश्ते के महत्व को समझना चाहिए। आजकल के करोना काल में हल्का व पौष्टिक नाश्ता करना चाहिए। रेडीमेड जंक फूड से बचना चाहिए ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। अंकुरित दाल दलिया, खिचड़ी फलाहार स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। यदि हमारा नाश्ता ठीक व समय पर होगा तो हमारी काम करने की ऊर्जा सारा दिन बनी रहेगी। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि सात्विक आहार जीवन को उत्तम बनाते हैं, अंडा, मांसाहार मानव शरीर के प्रतिकूल है, हमें शाकाहार को अपनाना चाहिए। जैसा कहा है जैसा खाएगे अन्न वैसा बनेगा मन। व्यक्ति का खानपान उसके विचार, स्वास्थ्य व शरीर पर प्रभाव डालता है। मुख्य अतिथि अनिता रेलन व अध्यक्ष युवा नेता विकास गोगिया ने भी व्यक्ति के खान पान दिनचर्या पर प्रकाश डाला। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि सात्विक आहार सात्विक विचारों का निर्माण करते हैं। गायिका संगीता आर्या, दीप्ति सपरा, प्रवीना ठक्कर, जनक अरोड़ा, रवीन्द्र गुप्ता, डॉ रचना चावला, मधु खेड़ा आदि ने भजन सुनाये। आचार्य महेन्द्र भाई, आनन्द प्रकाश आर्य, सौरभ गुप्ता, नरेश खन्ना, नरेन्द्र आर्य सुमन, सुदेश आर्या, राजेश मेंहदीरता, आस्था आर्या, पुष्पा चुघ आदि उपस्थित थे।



d'lk; k vi uh fi; f=dk ^; p'k mn?kks'k\*\* dks fu; fer cuk; s j [kus ds fy; s doy 100@& : dk l g; kx ^; p'k mn?kks'k]  
A/N0. 20024363377, IFSCode. MAHB0000901] c'd vQ egkj k"V] Mk- e[kth uxj] fnYYkh&110009 ij vkuykbL HkstA